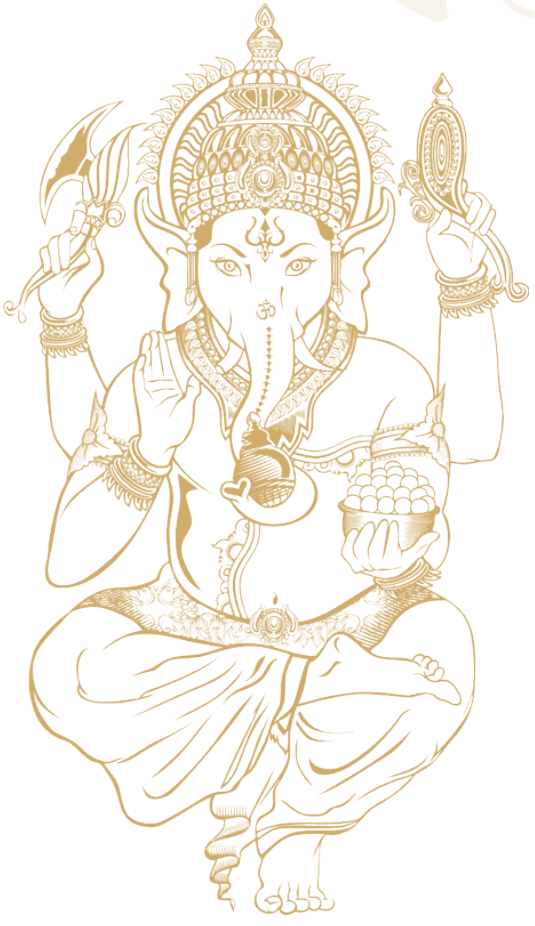

Gurvinder Singh

30 May 1986

07:57 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121360705

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30/05/1986**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**07:57:00 घंटे**
इष्ट	06:21:36 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:35:52 घंटे
वेलान्तर	00:02:35 घंटे
साम्पातिक काल	00:05:08 घंटे
सूर्योदय	05:24:21 घंटे
सूर्यास्त	19:13:07 घंटे
दिनमान	13:48:46 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	14:44:10 वृष
लग्न के अंश	19:43:02 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	वैधृति
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गो-गोपाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	19:43:02	315:07:45	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	---
सूर्य			वृष	14:44:10	00:57:32	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	09:24:46	13:16:08	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	सम राशि
मंगल			धनु	28:51:02	00:07:08	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	मित्र राशि
बुध		अ	वृष	23:16:53	02:06:59	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	सूर्य	मित्र राशि
गुरु			कुंभ	26:16:40	00:07:37	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	सम राशि
शुक्र			मिथु	16:32:58	01:11:38	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	मित्र राशि
शनि	व		वृश्चि	12:35:37	00:04:28	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	शत्रु राशि
राहु	व		मेष	05:37:56	00:00:52	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	05:37:56	00:00:52	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	सम राशि
हर्ष	व		वृश्चि	27:13:22	00:02:23	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	---
नेप	व		धनु	11:28:06	00:01:24	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
प्लूटो	व		तुला	11:25:37	00:01:20	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
दशम भाव			मीन	07:43:46	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:39:54

लग्न-चलित

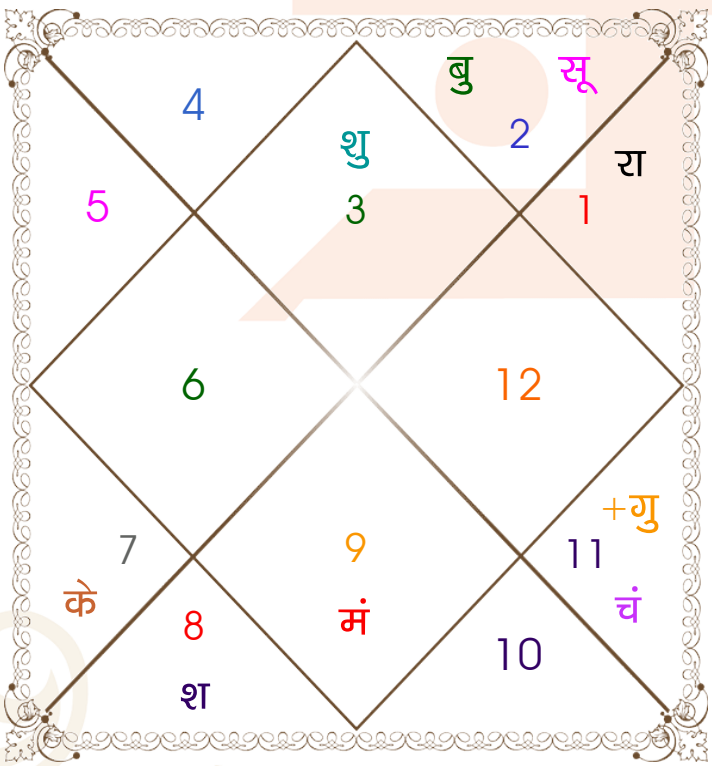

चन्द्र कुंडली

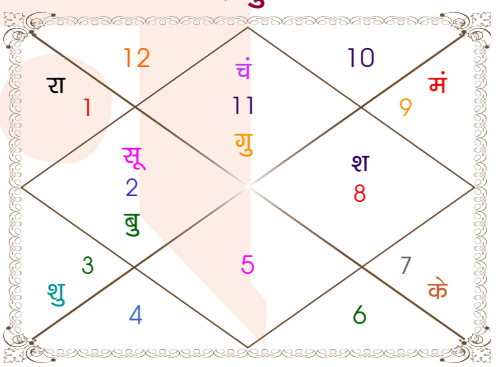

नवमांश कुंडली

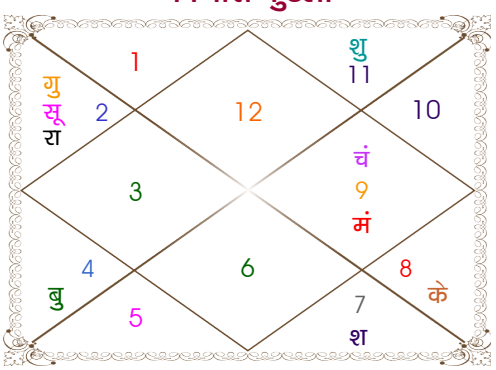

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 14 वर्ष 3 मास 15 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
30/05/1986		30/05/1986		13/09/2000		13/09/2016		14/09/2035	
13/09/2000		13/09/2016		14/09/2035		14/09/2052		13/09/2059	
	30/05/1986	गुरु	01/11/2002	शनि	17/09/2019	बुध	10/02/2038	केतु	09/02/2053
गुरु	21/10/1987	शनि	15/05/2005	बुध	27/05/2022	केतु	07/02/2039	शुक्र	12/04/2054
शनि	27/08/1990	बुध	21/08/2007	केतु	06/07/2023	शुक्र	08/12/2041	सूर्य	17/08/2054
बुध	15/03/1993	केतु	27/07/2008	शुक्र	05/09/2026	सूर्य	14/10/2042	चंद्र	18/03/2055
केतु	02/04/1994	शुक्र	28/03/2011	सूर्य	18/08/2027	चंद्र	15/03/2044	मंगल	15/08/2055
शुक्र	02/04/1997	सूर्य	14/01/2012	चंद्र	18/03/2029	मंगल	12/03/2045	राहु	01/09/2056
सूर्य	25/02/1998	चंद्र	15/05/2013	मंगल	27/04/2030	राहु	29/09/2047	गुरु	08/08/2057
चंद्र	27/08/1999	मंगल	21/04/2014	राहु	03/03/2033	गुरु	04/01/2050	शनि	17/09/2058
मंगल	13/09/2000	राहु	13/09/2016	गुरु	14/09/2035	शनि	13/09/2052	बुध	14/09/2059

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
14/09/2059		14/09/2079		14/09/2085		14/09/2095		15/09/2102	
14/09/2079		14/09/2085		14/09/2095		15/09/2102		00/00/0000	
शुक्र	14/01/2063	सूर्य	02/01/2080	चंद्र	15/07/2086	मंगल	10/02/2096	राहु	28/05/2105
सूर्य	14/01/2064	चंद्र	02/07/2080	मंगल	13/02/2087	राहु	28/02/2097	गुरु	31/05/2106
चंद्र	14/09/2065	मंगल	07/11/2080	राहु	14/08/2088	गुरु	04/02/2098		00/00/0000
मंगल	14/11/2066	राहु	02/10/2081	गुरु	14/12/2089	शनि	15/03/2099		00/00/0000
राहु	13/11/2069	गुरु	21/07/2082	शनि	15/07/2091	बुध	13/03/2100		00/00/0000
गुरु	14/07/2072	शनि	03/07/2083	बुध	14/12/2092	केतु	09/08/2100		00/00/0000
शनि	14/09/2075	बुध	08/05/2084	केतु	15/07/2093	शुक्र	09/10/2101		00/00/0000
बुध	15/07/2078	केतु	13/09/2084	शुक्र	15/03/2095	सूर्य	14/02/2102		00/00/0000
केतु	14/09/2079	शुक्र	14/09/2085	सूर्य	14/09/2095	चंद्र	15/09/2102		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 14 वर्ष 4 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।